डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 253 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 27 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

टेंकर से निकाला डीजल, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। पेट्रोल पंप पर डीजल खाली करने आए टेंकर ड्राइवर द्वारा 50 लीटर डीजल चोरी करने के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। कोटडा बहादूर निवासी दिनेश टीपन ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरा पंप जय मातादी किसान सेवा केन्द्र के नाम से संचालित है। इंडियन आइल के बांगरोद डिपो से मेरे पास डीजल टेंकर आया, लेकिन डीजल कम था, ड्राइवर ने मोटर लगाकर 50 लीटर डीजल को निकाल लिया था। पुलिस ने टेंकर आरजे 09 जीडी 8917 के ड्राइवर बालोदा कोरन (भाटपटलाना, उज्जैन) निवासी सुरेश पिता भवंरलाल गेहलोत के खिलाफ डीजल चोरी का केस दर्ज किया।

महिला को पीटा, दम्पत्ति पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। महिला से मारपीट करने वाले दम्पत्ति पर पुलिस ने केस दर्ज किया। हरमाला निवासी गुड्डीबाई पति नानालाल बावरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि उदयराम पिता रामचन्द्र .... शेष पेज 4 पर

नई जिम्मेदारी में पुरानी गलतियां कैसे छोड़ पाएंगे राहुल?

बीस साल के अपने राजनीतिक कैरियर में यह दूसरा मौका है जब राहुल गांधी एक महत्वपूर्ण जवाबदारी संभालने जा रहे हैं। दूसरी बार भी राहुल ने शुरूआती असमंजस के बाद ही फैसला लिया और पहली बार भी बड़ी जिम्मेदारी लेने को वे एकदम तैयार नहीं हुए थे। पहला मौका था उनके कांग्रेसाध्यक्ष बनने का। दूसरा अब है नेता विपक्ष बनने का। राहुल अब कांग्रेसाध्यक्ष के पद से भी ज्यादा बड़े जिम्मेदार पद पर हैं। यह जिम्मेदारी इसलिए और ज्यादा है कि वे चुनाव पूर्व बने एक ऐसे गठबंधन के नेता भी होंगे, जिसके लोकसभा में 236 सदस्य हैं। कांग्रेस इसका सबसे बड़ा दल है। गठबंधन में उससे कोई आधा भी नहीं है। बावजूद इसके कांग्रेस को अपने गठबंधन साथियों के विरोधाभासी दबाव में रहना होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के विरोधाभास सामने आ भी गए हैं। वर्ष 2004 से संसदीय राजनीति में आए राहुल कांग्रेस गठबंधन सरकार के दस सालों में किसी भी पद को लेने से बचते रहे। और कांग्रेस जब सत्ता से बाहर हुई तो दस साल बाद संसद में यह मौका आया है जब उन्हें नेता विपक्ष की जवाबदारी मिली है। इस बार राहुल ने अपने संकोच तोड़े हैं।

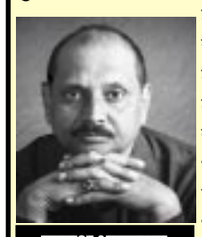

प्रकाश भटनागर

दस साल के अंतराल के बाद इस बार भारतीय संसद के निचले सदन का परिदृश्य काफी हद तक बदला हुआ दिखाई देना तय है। 2014 के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विरोधी दल के नेता के रूप में उस व्यक्ति से चुनौती मिलने जा रही है, जो कम से कम मोदी के खिलाफ लड़ने से कभी थका नहीं है। उसके तेवर लगातार तीखे हुए हैं। बात यह भी है कि कांग्रेस के घनघोर रूप से बुजुर्ग की श्रेणी में पहुंच चुके नेताओं के संदर्भ में अब युवा संबोधन के प्रेम में फिट बैठने वाले राहुल आक्रामक तेवर के मामले में सप्रयास ज्यादा मुखर हो रहे हैं। कम से कम ऐसे किसी भी प्रतिद्वंदी के लिए गांधी तब तक समर्पण की मुद्रा में नहीं आते हैं, जब तक कि मामला अगले के भारी पड जाने वाला न हो जाए।

राजनीति में अजातशत्रु कोई भी नहीं होता। मोदी भी नहीं हैं। लेकिन वह पहले मल्लिकार्जुन खरगे और फिर अधीर रंजन चौधरी के रूप में लोकसभा में कांग्रेस के ध्वजवाहकों को काफी हद तक 'नरम' करने में सफल दिखे। ये दोनों कांग्रेस संसदीय दल के नेता थे। लेकिन, नेता विपक्ष नहीं। राहुल की बात अलग है, वे कांग्रेस संसदीय दल के नेता के अलावा नेता विपक्ष के संवैधानिक पद पर भी होंगे। गांधी ने भले ही किसी समय सदन में मोदी के गले लगने के बाद आंख मारते हुए अपने अपरिपक्व व्यवहार का परिचय दिया था, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि वह इसी सदन में मोदी के गले किसी मुसीबत की तरह पडने जा रहे हैं।

अब घटनाक्रम आंख चलाने नहीं, बल्कि पूरी ताकत के साथ आंख दिखाने वाले हो सकते हैं। आखिर मामला एक दशक पुरानी सियासी दुश्मनी का जो ठहरा। जिसमें अब तक लगभग हर मौके पर मोदी भारी पडे और उन्होंने सोनिया गांधी तथा राहुल की आड में कांग्रेस को 'कुचल डालने' वाले तेवर दिखाने में कभी कोई कसर नहीं उठा रखी है। ऐसे घटनाक्रमों की अनंत कसक से जूझ रहे राहुल नेता प्रतिपक्ष के तौर पर निश्चित ही मोदी के लिए बडी चुनौती बनने के लिए व्याकुल हो रहे होंगे। इस मामले के और भी पक्ष हैं। हालिया हुए आम चुनावों में कांग्रेस के उम्मीद के सर्वथा विरुद्ध अच्छे प्रदर्शन का श्रेय गांधी परिवार को ही दिया जाएगा। न तो मल्लिकार्जुन खरगे की कोई मास अपील है और न ही उनके साथ के किसी अन्य बडे नेता में यह सामर्थ्य दिखा कि वह अपनी दम पर कांग्रेस को उल्लेखनीय तरीके से राजनीतिक लाभ पहुंचा सके। ऐसे में अब राहुल के लिए एक बडा अवसर और भी है। वह यह कि सदन में अपने प्रदर्शन से वह कांग्रेस के लोकसभा चुनाव से जुडे जोश को बढा सकें। गांधी के पास इसके लिए आवश्यक सामर्थ्य एवं समर्थन का कोई अभाव भी नहीं है। इसलिए अब उनके सामने संभावनाओं का अनंत आकाश और खुला मैदान, दोनों मौजूद हैं कि वह स्वयं को विपक्ष का एक तगडा नेता और मोदी के लिए सशक्त चुनौती के रूप में स्थापित कर सकें। नेशनल हेराल्ड जैसे मामले को छोड़ दें, तो राहुल के पक्ष में यह बात भी जाती है कि अपनी पार्टी सहित शेष विपक्षी दलों के कई दिग्गजों से सर्वथा विपरीत उन पर कोई बड़ा दाग नहीं है।

एक स्टैंड अप कॉमेडियन अब अतीत की गर्त में समा चुके हैं। फिर भी उनकी याद आ गई। उनका एक चरित्र लोटपोट कर देता था। उस चरित्र की एक ही खराब आदत है। वह यह कि यदि कोई उसकी नाक पर टिप्पणी करे तो वह अपनी तमाम समझदारी वाली बातों को छोडकर तुरंत ही अनर्गल वार्तालाप करने लगता है। इसके चलते यह होता है कि किसी भी चर्चा के आरंभ में वह अत्यंत विद्वान दिखता है, लेकिन नाक की बात आते ही उसका व्यवहार उसके सारे किए-धरे पर पानी फेर देता है। अब तक हुआ यही है कि इधर राहुल की नाक पर मक्खी बैठी और उधर वह कोई न कोई ऐसी बात कर/कह गुजरते हैं, जो उनकी गंभीरता को समाप्त कर देती है। उम्मीद है कि गांधी नई जिम्मेदारी के साथ अपनी इस पुरानी गलती से सबक लेकर आगे बढ़ेंगे।

मामला नपा की स्वच्छता सर्वेक्षण परीक्षा का...

तालाब-नदी बनेगी अव्वल होने के बीच रोड़ा

सालों की लापरवाही, अब उलझा सकती है कैसेट

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता सर्वेक्षण परीक्षा में अभी तक सड़कों और नालों की साफ सफाई कर मंदसौर ठीक ठाक प्रदर्शन करता आया है। लेकिन, अब सालों की लापरवाही से स्वच्छता सर्वेक्षण में मंदसौर की पिक्चर पीट सकती है। इसका कारण है इस बार नदी, बड़े नालो और तालाब भी जांच के दायरे में होंगे। मतलब शिवना नदी, तैलिया तालाब और नाहर सैय्यद तालाब का पानी भी परीक्षा के पेपर में होगा। अब सालों में करोड़ो रूपएं फूंकने के बाद भी इन जगहों के पानी को शुद्ध नहीं किया जा सका तो परीक्षा से पहले नदी और तालाबों को शुद्ध कैसे किया जा सकेगा?

शहरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने 2015-16 में सर्वेक्षण शुरू किया था। इसमें हर साल कुछ नया जोडा जाता है, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे और शहर स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा काम करें। स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में वाटर प्लस को अभियान के एक भाग के रूप में जोडा था। इस बार इस कैटेगरी में नपा मंदसौर और पड़ोसी जिले की नीमच नपा को भी शामिल किया है। यानी ओडीएफ डबल प्लस से ज्यादा चुनौती वाटर प्लस की रहेगी। क्योंकि, केवल सीवरेज प्रोजेक्ट के भरोसे कुछ नहीं होना है। इसके तहत शहर में बहने वाले नदी-बड़े नालो के साथ घरों व संस्थानों से निकलने वाले वेस्ट वाटर, नाले-नालियों जैसी वाटर बॉडी की स्थिति देखी जाएगी।

यह आ सकती है समस्या...

नई कैटेगिरी वाटर प्लस सिटी से मतलब है कि किसी भी तरह का ग्रे या ब्लैक (काला) वाटर नदी-नालों में नहीं बहना चाहिए। ओपन सीवरेज खत्म होना चाहिए। शुरुआत में बात करें शिवना नदी की तो दो दशक में करोड़ो रुपया यहां खर्च करने के बाद भी शिवना को शुद्ध नहीं किया जा सका। शिवना का पानी नहाना तो दूर की बात है आचमन करने लायक भी नहीं बचा। रही सही कसर जलकुंभी ने पूरी कर दी। इसके बाद शहर के 75 प्रतिशत जलस्त्रोतों को रिचार्ज करने वाले तैलिया तालाब में कई कॉलोनियों का गंदा पानी और उद्योगों की गंदगी मिल रही है। नाहर सैय्यद तालाब तो अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। यहां तो पानी का रंग ही बदलकर काला हो गया है। ऐसे में अगर इनकी जांच होगी तो इस वाटर प्लस कैटेगिरी में तो मंदसौर नपा को जीरो नंबर ही मिलेगे।

चार चरणों में 9500 अंकों की परीक्षा...

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 का चौथा फेज चल रहा और लोकसभा चुनाव के बाद रुकी गतिविधियों ने फिर गति पकड़ी है। पहले जुलाई में मुख्य सर्वे प्रस्तावित था, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ गई है। पर, इसकी घोषणा नहीं की गई। शहर में इसे लेकर कोई खास हलचल दिखाई नहीं दे रही है। जिम्मेदार तैयारी की बात कर रहे हैं, लेकिन यह कागजों तक ही सीमित है। यही कारण है जो काम हो जाना थे वे अब तक प्रक्रिया में ही हैं। इस बार की थीम श्री-आर (आरआरआर) रखी थी। अर्थात अब नगरीय निकायों को रीड्यूस-रीसाइकल रीयूज पर काम करते हुए कचरा निस्तारण के सिद्धांत को अपनाना था। तीनों लेवल पर शहर में कोई काम नहीं दिख रहा है। इस बार भी परीक्षा 4 चरणों में होकर कुल 9500 अंकों की है। सर्विस लेवल प्रोग्रेस पैरामीटर तीन की जगह 6 भागों में बांटकर अंक भी 4830 से बढाकर 5705 कर दिए हैं। सर्टिफिकेशन के 2500 और जनता फीडबैक के 1295 अंक रहेंगे। वहीं इस बार वाटर प्लस को भी जोड़ दिया है, इसे लेकर विगत दिनों गाइडलाइन भी जारी की जा चुकी है। इसमें करीब 12 पॉइंट हैं, जिन पर खरा उतरना है।

वाटर प्लस में यह भी जरूरी...

✻ वाटर प्लस शहर वह शहर है जो अपने क्षेत्र में आने वाले नदी, नालों और तालाब की स्वच्छता बनाए रखता है। ✻ घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाला अपशिष्ट जल पर्यावरण के लिए उपचारित अपशिष्ट जल हो। ✻ शहर के सभी सार्वजनिक शौचालय सीवर लाइनों से जुड़े होने चाहिए और साफ भी होने चाहिए। ✻ शहर के सभी घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीवरेज से जुड़े हो और शहर के तीस प्रश सीवर जल को पुनर्चक्रित करके पुन: उपयोग में लाया जाना चाहिए। अर्थात इस पानी से शहर में सडक़ धुलाई, बाग-बगीचों व खेतों में उपयोग करना आदि शामिल है।

सरकारी कर्मचारियों को सुबह दस बजे पहुंचना होगा कार्यालय

कार्यालयों में लेटलतीफी पर सख्ती, सरकार ने कर्मचारियों के लिए जारी किए आदेश, शाम 6 बजे तक रुक कर करना होगा काम

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सरकारी कार्यालयो में कर्मचारियों की लेटलतीफी और वक्त से पहले घर जाने की गलत आदत को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रूख अपनाया है। मध्यप्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बुधवार को एक आदेश जारी किया गया है, जो कार्यालीन समय पर उपस्थित होने के संबंध में हैं। आदेश के मुताबिक सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक सरकारी दफ्तरों में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

कोरोना काल में बदला था समय...

बता दें कि मध्य प्रदेश में कोरोना काल के दौरान सप्ताह में शनिवार और रविवार का अवकाश करते हुए 5 दिन कार्यालय लगाने के आदेश हुए थे। समय निर्धारित किया गया था सुबह 10 बजे से शाम 6:00 बजे तक का। इस प्रकार सभी शासकीय कार्यालयों का समय एक घंटा ज्यादा किया गया था। लेकिन, यह देखा गया कि अधिकारी और कर्मचारी आदेश होने के इतने साल बाद भी अभी भी समय पर दफ्तर नहीं आ रहे हैं और शाम को 6:00 बजे तक नहीं रुकते हैं।

एक बार फिर जारी किया परिपत्र...

सरकारी दफ्तरों में अधिकारी-कर्मचारियों की लेत लतीफी और वक्त से पहले चले जाने को देखते हुए राज्य सरकार सामान्य प्रशासन विभाग ने फिर से एक परिपत्र जारी किया है। शासकीय कर्मचारियों को बताया गया है कि प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालय के लिए सुबह 10 से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित है और शासकीय कर्मचारी से अपेक्षा की जाती है कि वह इस निर्धारित समय में ही कार्यालय आए और जाएं। सभी जिलों के कलेक्टरों और कार्यालय प्रमुखों को जारी परिपत्र में निर्देशित किया गया है कि वे यह देखें की सभी शासकीय कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित हों और समय पर जाएं।

बाइक चोर से मिली चार मोटर साईकिल, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। जिससे चोरी की चार मोटर साईकिल बरामद की गई है। आरोपी राजस्थान के प्रतापगढ का रहने वाला है। आरोपी को जैल भेज दिया गया है।

शहर पुलिस ने बताया कि मंदसौर के रहने वाले सुरेंद्रसिंह की बाइक सिद्धी विनायक हॉस्पिटल के बाहर से चोरी हो गई थी। इसके बाद कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर, घटना स्थलों के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक कर विश्वसनीय मुखबीर तंत्र सक्रिय किए गए। मुखबीर की सूचना पर जाकिर हुसेन उर्फ छोटु पिता सईद हुसेन शेख मुसलमान उम्र 24 साल निवासी एंजिल सिटी प्रतापगढ के बारे में पुलिस को जानकारी मिली। गिरफ्तार आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ करते आरोपी द्वारा अन्य वाहन चोरी मे भी अपनी संलिप्तता होना बताया। आरोपी जाकिर हुसेन उर्फ छोटु को प्रतापगढ पुलिया मंदसोर से चोरी गई मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारशुदा आरोपी से अपराध में चोरी गई मोटरसाइकिल के संबंध में पूछताछ करते आरोपी द्वारा पूर्व में थाना कोतवाली क्षेत्र से चोरी की गई बाइक होण्डा कंपनी की भी चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से 04 मोटरसायकल जप्त कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जैल दाखिल किया गया।

नौवीं में 10 जुलाई से शुरु होंगे नामांकन

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल के स्कूलों में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का नौवीं कक्षा में नामांकन 10 जुलाई से 30 सितंबर तक हो सकेगा। 30 सितंबर के बाद 300 रुपये विलंब शुल्क लगेगा। जबकि, 10वीं व 12वीं परीक्षा के फॉर्म 01 जुलाई से 30 सितंबर तक भरे जा सकेंगे। 25 नवंबर के बाद परीक्षा फॉर्म भरने पर 10 हजार रुपये विलंब शुल्क लिया जाएगा। 11 दिसंबर से 12 हजार विलंब शुल्क लगेगा। अन्य बोर्ड के विद्यार्थियों को ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने होंगे। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रवेश नीति 2024-25 जारी कर दी है। जारी नीति में कहा गया है कि संस्था प्राचार्य का यह दायित्व होगा कि प्रवेश देते समय ही छात्र के सभी दस्तावेज की जांच पूर्ण रूप से कर लें। इस संबंध में घोषणा पत्र भी जमा करना होगा। वहीं, विद्यार्थी ने जो विषय 9वीं व 11वीं में भरे हैं, वही 10वीं व 12वीं के आवेदन में भर सकेंगे।

अन्य बोर्ड से आए छात्रों के प्रकरणों में भी दस्तावेजों की जांच पूर्ण रूप से जांच की जाए। उनके द्वारा जो स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेज प्रवेश के लिए जारी हों, वह 31 जुलाई के पूर्व की तिथि का जारी होना आवश्यक है। मंडल द्वारा यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि प्राचार्य द्वारा ग्राह्यता संबंधी कार्रवाई नहीं की गई है तो ऐसी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। इसमें सत्र 2024-25 से नौवीं से बेस्ट आफ फाइव योजना समाप्त की जा रही है। वहीं 10वीं में सत्र 2025-26 से समाप्त कर दी जाएगी। इसके साथ ही 10वीं में गणित के दो विकल्प बेसिक व स्टैंडर्ड का होगा। प्रवेश में नीति में साफ कहा गया है कि प्रवेश पत्र जारी होने के बाद परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र में अंकित विषयों में किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं होगा।

श्री अमरनाथ यात्रा : कल पहलगाम के लिए रवाना होगा पहला जत्था

जम्मू, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। जम्मू कश्मीर में 29 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। 28 जून को बाबा के भक्तों का पहला जत्था जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना होगा। ऐसे में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के मद्देनजर बुधवार को अमरनाथ यात्रा का ट्रायल रन जम्मू से कश्मीर के बीच किया गया। जम्मू से सीआरपीएफ घेरे में यात्रा ट्रायल रन के दौरान बसों को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना किया गया और पहलगाम और बालटाल के लिए भेजा गया। इस दौरान सीआरपीएफ, आईटीबीपी, जम्मू कश्मीर पुलिस ने पूरे यात्री निवास को अपने घेरे में लिया हुआ था। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को देखते हुए इस बार सीआरपीएफ की लगभग 150 कंपनियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है।

जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास की बात करें तो इस बार सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। यात्री निवास के गेट से लेकर पूरे यात्री निवास में पहली बार अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से यात्री निवास की 24 घंटे मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि हर यात्री की सुरक्षा को लेकर उस पर नजर रखी जा सके। इसके साथ ही इस बार पहली बार पुलिस इंफ्रारेड कैमरों से लैस ड्रोन का इस्तेमाल करने वाली है जो रात के समय भी काम करेंगे। यात्री भवन के चारों ओर सीआरपीएफ ने अलग-अलग जगह पर निगरानी पॉइंट भी बनाए हैं।

जम्मू से बालटाल और पहलगाम रूट के करीब 300 किलोमीटर स्ट्रेच की जिम्मेदारी सीआरपीएफ जवानों के कंधों पर है। अत्याधुनिक हथियारों से लैस सीआरपीएफ जवानों के काफिले यात्रियों की सुरक्षा के लिए आगे और पीछे चलने वाले हैं। इसके साथ सीआरपीएफ की क्यूआरटी टीम हाईवे के अलग-अलग पॉइंट पर तैनात रहेगी। नेशनल हाईवे पर अलग-अलग पॉइंट पर हाई डेफिनेशन सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा चुके हैं, जिससे पूरे यात्रा रूट पर पल-पल की नजर रखी जाएगी।

उमस कर रही लोगों को बीमार, हो रही घबराहट और उल्टी की परेशानी

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। अंचल में पिछले पांच छह दिन से बेहाल करने वाली उमस पड़रही है। इससे लोगों में बेचैनी, उल्टी और घबराहट की परेशानी हो रही है। दरअसल, पिछले दो-तीन दिन से हवा का तापमान और हवा में नमी की मात्रा, दोनों ज्यादा है। इसी वजह से बेहाल करने वाली इतनी ज्यादा उमस पड रही है।

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धावले के मुताबिक मौसम केंद्र में तीन-तीन घंटे में दो तरह का तापमान दर्ज होता है। एक होता है ड्राइबल्ब जिसे हवा का तापमान कहा जाता है। दूसरा ड्यू प्वाइंट होता है। यह हवा में नमी की मात्रा होती है। इन दोनों में जब अंतर कम होता है तो उमस ज्यादा होती है।

ज्यादा उमस मरीजो के लिए जोखिम भरी...

डॉक्टरों के अनुसार ज्यादा उमस ब्लड प्रेशर और हार्ट पेशेंट के लिए जोखिम भरी होती है। ऐसे में पसीना ज्यादा निकलता है। इससे खून गाड़ा होने और हृदयाघात होने की आशंका बनी रहती है। इससे बचाव के लिए बाहर कम निकलें। यदि जरूरी काम है तो पर्याप्त पानी पीकर ही बाहर निकलें। अधिक पसीना आ रहा हो तो ज्यादा पानी पीएं। नींबू पानी, फ्रूट जूस वगैरह लें।

अब तीन-चार दिन झमाझम बारिश के आसार...

25 जून से जिले में मानसून की एंट्री हो चुकी है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से आंधी, बारिश और गरज-चमक का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। अब तीन-चार दिन अंचल में झमाझम बारिश की संभावना दिखाई दे रही है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। अंचल में कई स्थानों पर आज गुरुवार को भी झमाझम बारिश के आसार है। जिले में अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों में, दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। भोपाल के मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में बारिश, आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। आगामी 3 दिन तक पूरे प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। कहीं, बारिश तो आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

विचार-मंथन

सरकार के एक्शन का कितना होगा असर

पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली, प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने के मसले पर जिस तरह का रोष देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक है। ऐसे हर विवाद के बाद सरकार का यही आश्वासन सामने आता रहा है कि वह मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मगर वर्षों से यह समस्या बदस्तूर कायम है। अब शुक्रवार को केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है। दरअसल, करीब चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) आदि द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। यों परीक्षा में नकल या प्रश्न पत्रों को समय से पहले ही बाहर निकालना पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर इस कानून के पहले कोई धांधली किए जाने या अपराध होने की स्थिति में उससे निपटने के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं था। अब अगर नकल कराने जैसी अवैध हरकत के आरोप में कोई पकड़ा जाता है, दोषसिद्धि की स्थिति में उसे न्यूनतम तीन से पांच वर्ष तक के कारावास और ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को पांच से दस वर्ष तक की जेल की सजा दी जाएगी। इसमें न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माने का भी प्रावधान है। हालांकि इस कानून के तहत प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी अहमियत कई बार दस्तावेजों में सीमित रहती है। उसे वास्तव में लागू करने को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। जबकि सख्ती से अमल को सुनिश्चित किए बिना कोई भी कानून बेमानी रहेगा। सरकार और संबंधित महकमों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि नकल का रोग पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर उस पर नकेल कसने के प्रति उदासीनता के क्या कारण रहे? आखिर किन वजहों से स्कूल-कालेज स्तर की परीक्षाओं में नकल की बीमारी नौकरियों और चिकित्सा या इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं तक में फैल गई? जबकि पिछले कुछ वर्षों में संवेदनशील परीक्षाओं में आधुनिक और उन्नत तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ा है, साइबर क्षेत्र में नित नए प्रयोगों के जरिए भी बहुस्तरीय निगरानी का तंत्र भी मजबूत बनाया गया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर बेहद अहम मानी जाने वाली परीक्षाओं में नकल या प्रश्न-पत्रों के बाहर आने जैसी धांधली को रोकने में सरकार नाकाम रही। अब नया कानून तभी सार्थक साबित हो सकेगा, जब इसे लागू करने को लेकर वास्तव में इच्छाशक्ति दिखाई जाए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अहम परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

चंद्रशेखर आजाद की 'चुनौती' की वजह से मायावती को फिर से आकाश को देनी पड़ी जिम्मेदारी?

लालमनी वर्मा

लोकसभा चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन के कुछ ही हफ्ते बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद पर बहाल किया और उन्हें अपना एकमात्र राजनीतिक उत्तराधिकारी भी बताया। मायावती ने पार्टी के नेताओं से अपील की कि वे आकाश आनंद को पहले से ज्यादा सम्मान दें। मायावती ने आकाश आनंद को 2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया था और पिछले साल दिसंबर में उन्हें अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी भी घोषित किया था। लेकिन पिछले महीने उन्हें हटा दिया था। बीएसपी के नेताओं का कहना है कि उन्हें इस बात का पूरा भरोसा था कि आकाश आनंद को फिर से बहाल किया जाएगा लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि मायावती यह फैसला इतनी जल्दी ले लेंगी। पार्टी के अंदर कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि मायावती के इस फैसले के पीछे वजह नगीना से चंद्रशेखर आजाद का चुनाव जीतना है। क्योंकि चंद्रशेखर आजाद बहुजन आंदोलन में एक ताकतवर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सवाल यह है कि आकाश आनंद को फिर से बसपा में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने का क्या मतलब है। खासकर ऐसे वक्त में जब उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं और राज्य में 2027 में विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। 7 मई को बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को हटा दिया था और कहा था कि उन्होंने यह फैसला पार्टी और मूवमेंट के व्यापक हित में लिया है और यह फैसला तब तक प्रभावी रहेगा जब तक आकाश आनंद पूरी तरह परिपक्व नहीं हो जाते। इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने आकाश आनंद के खिलाफ सीतापुर में मुकदमा दर्ज किया था क्योंकि एक भाषण के दौरान आकाश ने बीजेपी सरकार को आतंकवादियों की सरकार कहा था। नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने लोकसभा चुनाव के बीच में ही प्रचार करना बंद कर दिया था और तब मायावती ने अकेले ही पार्टी के प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था। बसपा को लोकसभा चुनाव में हारे अपने प्रत्याशियों से फीडबैक मिला है कि अगर आकाश आनंद चुनाव प्रचार जारी रखते तो जाटव और मुस्लिम तबके का एक वर्ग लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन नहीं करता। मायावती ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान मुख्य रूप से सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा था जबकि आकाश आनंद ने बीजेपी को शिक्षा, गरीबी, अर्थव्यवस्था और कानून और व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा था। बीएसपी के नेताओं का कहना है कि आकाश के चुनाव प्रचार से हटने के बाद दलितों और मुसलमानों के बीच यह संदेश गया कि मायावती ने बीजेपी के दबाव के आगे घुटने टेक दिए हैं। बसपा के एक नेता ने कहा कि आकाश आनंद को फिर से जिम्मेदारी मिलने के बाद बसपा से बीजेपी की बी टीम होने का टैग हटाने में मदद मिलेगी। साथ ही बसपा के कोर वोट बैंक जाटव और दलित समुदाय के अन्य तबकों के बीच फिर से भरोसा बहाल करने में भी मदद मिलेगी और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद निराश हो चुके हमारे कैडर को भी ऊर्जा मिलेगी। बीएसपी के कई जानकारों का कहना है कि मायावती ने यह फैसला आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को नगीना लोकसभा सीट से जीत मिलने की वजह से लिया है। बसपा 2019 में नगीना लोकसभा सीट से चुनाव जीती थी हालांकि तब उसने चुनाव सपा और आरएलडी के साथ मिलकर लड़ा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत सकी और उत्तर प्रदेश में उसका वोट शेयर गिरकर 19.3प्रतिशत से 9.3प्रतिशत हो गया। ऐसा लगता है कि चंद्रशेखर आजाद को दलित और मुस्लिम समुदाय की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद ही आकाश आनंद को जल्दी में बहाल करने का फैसला लिया गया है। चंद्रशेखर आजाद ने इस लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया और नगीना लोकसभा सीट पर 1.53 लाख वोटों से जीत हासिल की। नगीना में बसपा चौथे नंबर पर रही है। बसपा के एक नेता ने कहा, 'बसपा के पास अब कोई भी लोकसभा सांसद नहीं है और चंद्रशेखर आजाद ही देशभर में घूमते हुए लोकसभा में दलितों और मुसलमानों के मुद्दों को उठाएंगे और इससे चंद्रशेखर आजाद को एक दलित नेता के रूप में उभरने और मायावती का विकल्प बनने में मदद मिलेगी, इससे बसपा और कमजोर होगी। इस नुकसान को रोकने के लिए ही आकाश आनंद का लौटना बेहद जरूरी था।' लोकसभा चुनाव में बसपा के खराब प्रदर्शन के पीछे किसी लोकप्रिय चेहरे का ना होना भी था। पार्टी में सिर्फ मायावती ही एक बड़ा चेहरा बची हैं जबकि पार्टी के अन्य दलित, ओबीसी और मुस्लिम नेता जैसे- लालजी वर्मा, आर के चौधरी, राजा राम पाल, स्वामी प्रसाद मौर्य, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज और बाबू सिंह कुशवाहा दूसरे दलों में जा चुके हैं या उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। जो लोग बसपा में बचे हैं, वे संगठन के काम में लगे हैं या उनकी मायावती या आकाश आनंद जैसी फॉलोइंग नहीं है। 2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने के बाद भी आकाश आनंद की शक्तियां सीमित थी। लोकसभा के चुनाव में टिकट वितरण में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। बसपा के एक नेता ने कहा है कि अब जब 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं तो पार्टी को एक युवा नेता की जरूरत है जो पूरे राज्य का दौरा करे, जिलों में जाकर बैठक ले और जमीन से फीडबैक हासिल कर सके। बसपा के सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद अब उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे अन्य राज्यों में, जहां इस साल के अंत में और 2025 में विधानसभा के चुनाव होने हैं उनका भी दौरा करेंगे।

वायनाड चुनाव प्रियंका के लिए पहली अग्निपरीक्षा

कल्याणी शंकर

अटकलबाजी और प्रत्याशा की झड़ी के बीच, कांग्रेस पार्टी ने वायनाड में उपचुनाव में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को मैदान में उतारकर एक रणनीतिक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह सीट उनके भाई राहुल गांधी द्वारा रायबरेली को बरकरार रखने और वायनाड से हटने के फैसले के बाद खाली हुई, दोनों ही सीटों पर उन्होंने जीत हासिल की थी। अगर यह कदम सफल होता है, तो यह प्रियंका, उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा बदलाव हो सकता है। इसने जनता और राजनीतिक वर्ग के बीच उत्साह और संदेह को जन्म दिया है। जब उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की गई, तो उन्होंने कहा, ''मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में खुशी हो रही है और मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि लोगों को राहुल गांधी की कमी महसूस न हो। मैंने अपने परिवार की राजनीतिक विरासत और दक्षिण में गांधी परिवार की मौजूदगी को जारी रखने के लिए वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला किया।'' ''मेरी दादी इंदिरा गांधी का वायनाड के लोगों के साथ एक मजबूत संबंध था और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे और आगे बढ़ाऊंगी।'' राहुल और उनकी मां सोनिया ने कई वर्षों तक कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व किया और सांसद के रूप में कार्य किया। आगामी वायनाड चुनाव प्रियंका के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी क्योंकि यह उनकी पहली अग्निपरीक्षा होने वाली है। भाजपा समेत पूरा देश उनके प्रदर्शन पर करीब से नजर रखेगा। राजनीतिक परिवार में जन्मी प्रियंका ने अपनी मां के चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है। 2004 में राजनीति में प्रवेश करने पर उन्होंने अपने भाई के लिए भी प्रचार किया। 2014 और 2019 में ऐसी अफवाहें थीं कि प्रियंका मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं। 2024 के चुनावों से पहले, उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य वंशवाद को लेकर भाजपा की आलोचना का मुकाबला करने के लिए 3 गांधीवादियों को मैदान में उतारने से बचना है। गांधी परिवार ने 2024 के चुनावों को कांग्रेस के लिए एक बेहतरीन अवसर के रूप में देखते हुए अपना विचार बदल दिया। उन्होंने तय किया कि केरल से कांग्रेसी सांसद के रूप में प्रियंका को चुनावी राजनीति में पेश करने का यह सही समय है क्योंकि यह एक सुरक्षित सीट है। अपनी दादी इंदिरा गांधी से मिलती-जुलती प्रियंका 2019 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद से ही सुर्खियों में है। वह कांग्रेस पार्टी की महासचिव बनी और पार्टी के प्रचार में अहम भूमिका निभाई। प्रियंका को 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संख्या लगभग दोगुनी करने और पार्टी में नई जान फूंकने का श्रेय दिया जाता है। उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी को प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करना पड़ा। 2022 के विधानसभा चुनावों में जब कांग्रेस ने उनके नेतृत्व में खराब प्रदर्शन किया तो उन्हें जवाबदेह नहीं ठहराया गया। हालांकि, हिमाचल प्रदेश में उनके व्यापक प्रचार को राज्य में कांग्रेस पार्टी की हालिया सफलता का श्रेय दिया गया। 2024 में, प्रियंका ने देश भर में पार्टी के प्रचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। उन्होंने 108 सार्वजनिक बैठकें कीं, रोड शो में भाग लिया और 16 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार किया। वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला प्रियंका के लिए चुनौतियों और अवसरों का अनूठा समूह प्रस्तुत करता है। एक ओर उन्हें वंशवाद की राजनीति के मुद्दे पर भाजपा के हमलों का सामना करना पड़ सकता है एक बाधा को उन्हें चतुराई और लचीलेपन के साथ पार करना होगा। दूसरी ओर यह उन्हें खुद को साबित करने और एक नए निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ने का सुनहरा अवसर देता है, एक ऐसा मौका जिसे उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ भुनाना होगा। उत्तरी केरल में स्थित वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में 1.46 मिलियन मतदाता हैं। पिछले 4 चुनावों में इसने लगातार कांग्रेस के एम.पी. चुने हैं, जो पार्टी के लिए एक ठोस समर्थन का संकेत देता है। निर्वाचन क्षेत्र में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का भी व्यापक समर्थन है, जिसमें मुस्लिम और ईसाई लगभग 60 प्रतिशत मतदाता हैं। आईयूएमएल प्रियंका का समर्थन करेगी। अगर प्रियंका जीतती हैं, तो गांधी परिवार के तीनों सदस्य भारतीय संसद में होंगे। इससे पार्टी के भीतर परिवार की स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन विरोधियों के हमले भी जारी रहेंगे। भारतीय राजनीति में केरल में प्रियंका की उम्मीदवारी कांग्रेस पार्टी द्वारा दक्षिण में अपने समर्थन आधार को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम है, जो संभावित रूप से इसकी क्षेत्रीय गतिशीलता को नया आकार देगा। अगर प्रियंका संसद के लिए चुनी जाती हैं, तो उन्हें एक अच्छी सांसद बनने का प्रयास करना चाहिए।

कितने जायज हैं ईवीएम पर विपक्ष के सवाल

विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जनाधार नहीं है, वे मात्र ईवीएम के सहारे ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते। देश में प्रायः हर उस चुनाव के बाद विद्युतीय मतदान मशीन पर सवाल उठते रहे हैं, जब किसी भी विपक्ष की सरकार नहीं बन पाती। इस बार भी लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन ईवीएम पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि अभी स्वर इसलिए भी धीमे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत बढ़ाकर एक मजबूत विपक्ष बनने का रास्ता तैयार कर लिया है। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा दृश्य पहली बार दिख रहा है, जब विपक्ष सरकार बनाने से दूर रहकर भी अपनी विजय का अहसास करा रहा है। इसके विपरीत सत्ता पाने वाले राजग इस बात की समीक्षा कर रहा है कि उसकी सीटें कम कैसे हो गईं। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खैरज बात हो रही थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्व भी भाजपा के नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार ऐसे चुनाव परिणाम भी आए हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन विसंगति यही है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाए गए। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि विपक्ष की ओर से स्थिति देखकर ही सवाल उठाए जाते हैं। विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जनाधार नहीं है, वे मात्र ईवीएम के सहारे ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केवल भाजपा की जीत से परहेज है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को छप्पर फाड़ समर्थन मिला था, लेकिन तब ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठा। हमें स्मरण होगा कि सन 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी दलों के अधिकतर नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे। तब इन सवालों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुंचे। इसका तात्पर्य यही है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुष्ट आधार नहीं है। इस बार भी केवल आशंका के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाने की कोशिश की जाने लगी है। चुनाव परिणाम के बाद इस बात की पूरी संभावना बन रही थी कि इस बार ईवीएम को आड़े हाथ लिया जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग ने भी ईवीएम को लेकर उत्पन्न होने वाले भ्रम को दूर करने का प्रयास किया। लेकिन इतना होने के बाद भी यह भ्रम दूर नहीं हो सका और ईवीएम पर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन जब धुंआ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग और ईवीएम दोनों ही हैं। विपक्ष की ओर से यह कई बार कहा गया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के संकेत पर कार्य करता है। वास्तविकता यह है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिस पर न तो किसी सरकार का कोई प्रभाव रहता है और न ही किसी राजनीतिक दल का। फिर भी चुनाव आयोग को क्यों विवाद में घसीटा जाता है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5277

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5276

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5277

संकेत: बायें से दायें

1. विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति का रिकॉर्ड अब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के नाम दर्ज हो गया है यह भारत के इस राज्य में स्थित है (4)
5. यह कुल्लू घाटी के उत्तरी छोर के निकट ब्यास नदी की घाटी में स्थित एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)
8. [illegible] (4)
9. [illegible] (3)
10. जंगल, अरण्य, वन (3)
12. स्तुति करने वाला, स्तुति पाठक (3)
15. शास्त्रीय संगीत में एक राग (3)
17. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम (2)
18. स्वर्ण-चांदी का व्यवसाय करने वाला, एक प्रसिद्ध टीवी चैनल (2)
21. इस देश को ग्रीस भी कहते है (3)
22. तपस्वी, ब्रह्मचारी, वानप्रस्थी, साधु (2)
23. [illegible] (2)
24. बेटी का बेटा
25. बूंद-बूंद गिरना, ऊपर से सहसा गिरना (4)

ऊपर से नीचे

1. गुंथे हुए फूलों का गुच्छा (4)
2. महत्वपूर्ण विजय, सफलता, फिल्म शोले में अमिताभ बच्चन का यह नाम था (2)
3. पूर्णिमा की रात को यह भी कहा जाता है (2)
4. ढंग, प्रकार, उपाय, युक्ति (3)
5. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार (6)
6. [illegible] (2)
7. निगलना, भोजन आदि का गले से पेट में उतारना (3)
11. मना करना, न मानना (4)
13. अपने देश का निवासी (3)
14. मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
16. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
19. [illegible] (3)
20. विचार करना, शोक करना, खेद होना (3)
21. इकाई, मैल, दस्ता (3)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5276 का हल

आ	ग	रा	■	■	भा	र	त
श	म	त	ज	दा	■	वि	■
■	■	औ	टा	ना	■	धा	र
अ	ज	र	■	ई	श्व	र	■
■	म	हि	र	■	■	■	■
■	द	न	द	ना	ना	■	पा
छो	र	■	धु	ह	ना	ड	■
टा	■	रो	द	र	■	रि	श्ता

कलेक्टर ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों को पुरस्कार प्रदान किए

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मंदसौर जिले की टी.बी. मुक्त हुई ग्राम पंचायतों का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम की उपस्थिति मे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मंदसौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डब्ल्यु.एच.ओ. कंसल्टेंट डॉ. निधि सांखला, उज्जैन एवं डब्ल्यु.एच.ओ. कंसल्टेंट डॉ. अदिति, सतना से अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डब्ल्यु.एच.ओ. कंसल्टेंट डॉ. निधि सांखला द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत के बारे मे समझाया गया। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने कहा कि टी.बी. मुक्त होने वाली पंचायत को प्रथम वर्ष मे कास्य की प्रतिमा, द्वितीय वर्ष मे सिल्वर की प्रतिमा एवं तृतीय वर्ष मे गोल्ड की प्रतिमा एवं प्रशंसा पत्र दिए जाने का प्रावधान है। इसलिए टी.बी. मुक्त हुई ग्राम पंचायतों से अपेक्षा रहेगी कि वह आगामी समय मे भी अपनी यथास्थिति बनाए रखें। टी.बी. की जांच जरूर करवायें। इस दौरान कलेक्टर श्री यादव द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को टी.बी. की रोकथाम हेतु शपथ दिलाना गई। सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम द्वारा टी.बी. मुक्त 57 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि आगामी वर्ष मे भी इस उपलब्धि को बनाए रखें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा निक्षय मित्र बनाकर टी.बी. मरीजों को पोषण आहार दिए जाने के लिए उपस्थित समस्त सरपंच से आग्रह किया। जिला क्षय अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी, ने चयनित ग्राम पंचायतों के विषय मे संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। टी.बी. मुक्त 57 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव को महात्मा गांधी जी की प्रतिमा एवं प्रशंसा पत्र वितरण किए गए। कार्यक्रम का संचालन डी.आई.एस.सी. श्री राजेश रजक द्वारा किया गया एवं आभार जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राकेश शर्मा द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत नि:शुल्क शिविर का आयोजन आज

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंदसौर द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत समस्त विकासखंड में चिन्हाकिंत क्लब फुट के बच्चों का जागरूकता माह के तहत उपचार हेतु नि:शुल्क शिविर का आयोजन 27 जनू 2024 को प्रात: 10.30 बजे जिला चिकित्सालय मंदसौर के हड्डी रोग वार्ड में आयोजित किया जाएगा।

लायन्स को श्रीमती चपरोत के निधन पर 20वां नेत्रदान प्राप्त हुआ

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब मंदसौर को श्रीमती कृष्णा देवी मानमल चपरोत के अवसान पर इस सत्र का 20वां नेत्रदान प्राप्त हुआ। श्रीमती चपरोत के निधन पर उनके परिवार द्वारा नेत्रदान का पुण्य कार्य किया। डॉ. किशोर शर्मा ने नेत्र उत्सर्जन किये। लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. मज़हर हुसैन, आगामी अध्यक्ष जितेंद्र पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष व प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए विकास भंडारी एवं पूर्व सचिव आशीषसिंह मण्डलोई ने श्रद्धांजलि अर्पित कर चपरोत परिवार को आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायतों में रक्त समूह परीक्षण शिविरों का प्रचार

नीमच, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में जिले में आगामी 28 जून को सभी 243 ग्राम पंचायतों में रक्त समूह परीक्षण के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से जिले के एक लाख से अधिक लोगों की ब्लड ग्रुप जांच का लक्ष्य रखा गया है। ब्लड ग्रुप जांच के प्रति जन जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत में प्रचार सामग्री के स्टीकर लगाए जा रहे हैं।

जनपद पंचायत मनासा की ग्राम पंचायत शेषपुर, मजरिया एवं अन्य ग्राम पंचायतों में स्टीकर चिपका कर, आमजनों, ग्रामीणों को रक्त समूह परीक्षण शिविरों की तिथि के प्रति जागरूक कर, रक्त समूह परीक्षण करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राम पंचायत सचिवों व्दाएरा गांवों में पीले चावल बांटकर, ग्रामीणों को अपने ब्ल ड ग्रुप की जांच करवाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। बुधवार को ग्राम पंचायत भादवामाता, उमर, भरभडिया एवं अन्यक गांवों में पंचायत सचिवों ने रक्तव समूह परीक्षण शिविर की जानकारी ग्रामीणों को देकर, उन्हें पीले चावल प्रदान कर, रक्त समूह परीक्षण करवाने के लिए शिविरों में उपस्थित होने का आमंत्रण दिया।

28 जून चलो आरोग्य केंद्र भादवामाता आओ अपने ब्लड ग्रुप की जांच करवाए

नीमच, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशानुसार नीमच जिले में 28 जून शुक्रवार को प्रत्येक ग्राम पंचायतो में सुबह से शिविर लगाकर 18 से 65 वर्ष तक, कि सभी महिलाओं और पुरुषों के ब्लड ग्रुप (खुन) की जॉच की जायेगी, ताकि सभी को पता चल सके, कि आपका खुन कौन से ग्रुप का है। इसी कडी में हमारी ग्राम पंचायत भादवामाता में भी आरोग्य केंद्र (भादवामाता) पर ब्लड ग्रुप की जॉच की जायेगी। अत: ग्राम पंचायत भादवामाता के चारों गावों में निवासरत सभी जन आरोग्य केंद्र पर उपस्थित होकर अपने खुन की जॉच अवश्य करवाये।

राष्ट्र विकास की भावना लिए 30 जून को दौड़ेगा मंदसौर

सीए शाखा मंदसौर द्वारा रन फॉर विकसित यात्रा का आयोजन

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत सीए मंदसौर शाखा द्वारा राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी को प्रदर्शित करते हुए 30 जून, रविवार को रन फॉर विकसित भारत यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 30 जून को डीआरपी लाइन मंदसौर से विकसित भारत की मंशा मन में लिये संयुक्त दौड़ का आयोजन किया जा रहा है जिसका समापन जैन कॉलेज में होगा।

सी शाखा मंदसौर के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने बताया कि विकसित भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसका उद्देश्य भारत को 2047 तक, भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष में एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस दृष्टिकोण में आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। अपनी स्थापना के बाद से, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया हमारे देश के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। राष्ट्र निर्माण में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में, पूरे दिल से विकसित भारत की आकांक्षाओं के साथ जुड़ा हुआ है। जिसका एक उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस 2024 के आईसीएआई के 75वें वर्ष के उत्सव को एकीकृत तरीके से मनाना है। सीए शाखा उपाध्यक्ष सीए राजेश मण्ड्वारिया ने बताया कि रन फार विकसित भारत का शुभारंभ प्रात: 6 बजे डीआरपी लाइन से होगा जहां से पुलिस पेट्रोल पम्प, अम्बेडकर चौराहा, पुराना बस स्टेण्ड, बडे बालाजी मंदिर, गांधी चौराहा, सिविल हॉस्पिटल रोड, बीपीएल चौराहा, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड रोड होते हुए जैन कॉलेज पहुंचेगा। जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। सीए शाखा सचिव सीए विकास भण्डारी, कोषाध्यक्ष सीए नयन जैन, सीपीई चेयरमेन सीए विरेन्द्र जैन, एक्जीक्यूटिव मेम्बर सीए अर्पित नागदा, आरसीएम सीए अनिल कुमार यादव, प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए अंकुश जैन, सीए अंकित नागर, सीए योगेन्द्र जैन ने सभी नगरवासियों से इस संयुक्त दौड में सहभागिता करने की अपील की है।

अजाक्स मंदसौर जिला इकाई ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश अजाक्स जिला इकाई मंदसौर द्वारा दिनांक 26 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम जिलाधीश मंदसौर को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया।

अजाक्स संभागीय उपाध्यक्ष जेपी अहिरवार एवं जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन का वाचन जिलाध्यक्ष श्री सूर्यवंशी द्वारा किया गया। ज्ञापन में मांग रखी कि .जिला परामर्शदात्रि की बैठक नियमित आयोजित की जाये, मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति ,अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण लागू किया जाये, मध्यप्रदेश राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल द्वारा कक्षा नवी में प्रवेश हेतु उत्कृष्ट विद्यालय/मॉडल स्कूल चयन परीक्षा की प्रतीक्षा सूची में आरक्षण रोस्टर के नियमों का पालन नहीं किए जाने पर त्रुटि सुधार की जाये, एमपी टास्क छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों की समग्र जाति प्रमाण पत्र और आधार में त्रुटि सुधारने हेतु सरलीकरण के लिए ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर शिविर लगाए जाये, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण की समीक्षा बैठक नियमित आयोजित की जाये। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग की विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनने में लगने वाले समय सीमा को कम किया जाये। इस अवसर पर अजाक्स के मुकेश कोठे , के.सी.सोलंकी, रघुवीर मालवीय, शैलेंद्र गोयल, दिनेश सूर्यवंशी, मुकेश सूर्यवंशी, दशरथ सूर्यवंशी, चौन सिंह जमरा, ओमप्रकाश बिरमा, रघुवीर मालवीय, रघुवीर सिंह मसराम आसाराम पवार, विजय देवड़ा, कैलाश धानिया, कारुलाल चौहान शैलेंद्र गोयल, रघुवीर मालवीय जगदीश खींची, गणेशाराम आर्य विपिन चरेड, भुवानीराम सोनाथी, एम.एल वर्मा, श्यामलाल उमरावत, सुनील राठौर, गोवर्धनलाल परमार ,मनोज सूर्यवंशी, पारस रायकवार ,धीरज गोयल, अनिल दाहिमा, नितिन परमार, राकेश देवड़ा, राधेश्याम देवड़ा, ईश्वर गुंदावत, राजू खराड़ी, भेरुलाल पवार उपस्थित रहे। आभार जिला सचिव मनोज कुमार धानिया द्वारा व्यक्त किया गया।

विधायक मनासा मारू ने ली अधिकारियों की बैठक, विकास कार्यों की समीक्षा की

विधायक मारू ने मनासा क्षेत्र का पाच साल के विकास का रोडमेप तैयार करने के दिए निर्देश

नीमच, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर से मनासा विधानसभा के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए मनासा रामपुरा उद्धवहन सिंचाई योजना का काम चल रहा है। अगले वित्तीय वर्ष तक उक्त योजना से किसानों को पानी मिलने लगेगा। उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई के तहत किसानों को सिंचाई की नई तकनीकों को अपनाने के लिए ड्रिप सिंचाई सिस्टम, मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम उपलब्ध कराए जा रहे है। यह बात मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध (माधव) मारू ने कही।

बुधवार को मनासा रेस्ट हाउस पर विधायक श्री मारू ने समस्त विभागों के अधिकारियों की बैठक ली और विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो की समीक्षा की। बैठक में 5 साल के विकास के रोडमेप की विस्तृभत रूप रेखा बताई और आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश दिए। एसडीएम श्री पवन बारिया की उपस्थिति में बैठक में श्री मारू ने कहा चम्बलेश्वर से वर्तमान में करीब 27 गांवों को पीने का पानी मिल रहा है। उक्त 27 गांवों को गांधीसागर समूह योजना से जोड़ा जाना आवश्यक है। ताकि इन्हें भी 24 घंटे पानी मिले। इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। श्री मारू ने पीएमआवास योजना की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली और लाड़ली बहना को उक्त योजना से जोडकर अधिक से अधिक लाभ देने की बात कही। विधायक श्री मारू ने कहा, कि महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें लोन दिलाना ही हमारा लक्ष्य नहीं है। समूह की जो महिलाएं अच्छा काम कर रही है। उनके द्वारा जो प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे है, उनकी मार्केटिंग की अच्छीव से अच्छी व्य वस्थान की जाए, जिससे कि समूह को अधिक लाभ मिल सके। उन्होमने कहा, कि सेतु विभाग द्वारा मनासा कंजार्डा रोड पर रावतपुरा के यहां ब्रिज का कार्य शीर्घ पूर्ण किया जाए, जिससे ग्रामीणों को सुविधा मिले। विधायक श्री मारू ने वन, कृषि, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, पीएचई, नगरिय निकाय, जलसंसाधन, बिजली कम्पनी सहित अन्य विभागों के विकास कार्यो की भी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

वृक्षारोपण में आमजनों की हो सहभागिता:- वन विभाग की समीक्षा के दौरान विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने वर्तमान में वृक्षारोपण के लक्ष्य की जानकारी ली। वन विभाग एसडीओ श्री परमार ने बताया अभी 2 लाख 86 हजार वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है, जिसे विभाग द्वारा पूरा कर लिया जाएगा। श्री मारू द्वारा विभाग को निर्देश दिए, कि अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण हो और रौपे जाने वाले पौधों की लंबाई कम से कम 6 फिट हो, ताकि वह आसानी से चल सके। वृक्षारोपण के कार्य में आमजनों का सहयोग भी लें। वन विभाग द्वारा जो वृक्षारोपण हेतु साइट निर्धारित की है, उसका निरीक्षण करने की भी बात भी श्री मारू ने कही।

श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में गुरु पूर्णिमा पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री चैतन्य आश्रम मैनपुरिया लोकन्यास की बैठक संपन्न हुई जिसमें आगामी 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व की तैयारी पर चर्चा की गई श्र 14 से 20 जुलाई तक श्री शिव महापुराण की कथा चैतन्य आश्रम के सत्संग सभागार में होगी। स्वामी श्री मणिमहेश चेतन जी महाराज शिव महापुराण की कथा करेंगे। साथ ही 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व परंपरागत रूप से भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। बैठक में श्री महेश गर्ग को लोकन्यास का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चैतन्य आश्रम लोकन्यास के दिवंगत न्यासी श्री विनोद गर्ग के पुत्र श्री नवनीत गर्ग को न्यासी के रूप में मनोनित किया गया। उन्होंने उनके पिता श्री विनोद गर्ग द्वारा आश्रम परिसर में शुरू किए गए निर्माणाधीन मंदिर का कार्य शीघ्र पूरा करने की बात कही। श्री चैतन्य आश्रम के बैठक में श्री चैतन्य आश्रम लोकन्यास के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, सचिव रूपनारायण जोशी, तथा कोषाध्यक्ष जगदीश सेठिया न्यासी गण सर्व श्री ओमनारायण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष कारूलाल सोनी, महेश गर्ग, ब्रजेश जोशी, अजय कुमार सिखवाल, प्रद्युम्न शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, राधेश्याम गर्ग, भेरूलाल कुमावत, नारायण कुमावत, दयाराम माली, ओंकार लाल माली, रणछोड प्रसाद कुमावत, रामचंद्र आदि उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	10	2320	2401
उडद	1	6901	6901
सोयाबीन	3000	3400	4650
गैहु	2270	2510	3125
चना	123	5700	6467
मसुर	122	5500	6201
धनिया	58	4861	7101
लहसुन	11200	5450	23400
मैथी	595	4850	6263
अलसी	552	5255	5925
सरसो	186	4901	5431
तारामीरा	3	4550	5481
इसबगोल	27	10500	12900
प्याज	3100	780	2807
कलोंजी	7	136601	18080
डॉलर	13	7600	8603
तिल्ली	115	9900	12700
मटरसुखी	000	0000	0000
असालीया	50	8800	10020

लक्ष्य निर्धारण से ही मिलते है सकारात्मक परिणाम

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। लक्ष्य के निर्धारण से ही समय पर सकारात्मण परिणाम मिलते हैं। सभी नवांकुर संस्थाओं को आगामी तीन माह में किये जाने वाले कार्यो के लिये लक्ष्य का निर्धारण करना होगा, तभी सकारात्मक परिणाम मिलेगें। उक्त विचार मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद् के संभाग समन्वयक श्रीशिवप्रसादजी मालवीय ने मप्र.जअप जिला कार्यालय मंदसौर में नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं की समीक्षा बैठक में व्यक्त किये। परामर्शदाताओं को सम्बोधीत करते हुए संभाग समन्वयक श्रीशिवप्रसाद मालवीय ने कहा की 30 जून से पहले सभी विकासखण्ड मुख्यमंत्री सामुदायीक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के 50 एमएसडब्ल्यु एवं 40 बीएसडब्ल्यु के शेष छात्रों की फिस जमा करें। इसके लिये नवांकुर संस्थाओं को भी जो लक्ष्य दिया है उसको समय पर शत प्रतिशत पुर्ण करें। जिला समन्वयक तृप्तीजी वैरागी ने कहा की जिले की नवांकुर संस्थाओं ने जिला प्रशासन के समन्वय से जल गंगा संवर्धन अभियान में अच्छा कार्य किया है। जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी सहभागीता की हैं। नवांकुर संस्थाएं अपने सेक्टर में पोधारोपण के लिये स्थान का चयन कर लें ,जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। समीक्षा बैठक में मल्हारगढ विकासखण्ड समन्वयक अर्चना भटट एवं सीतामऊविकासखण्ड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आगामी लक्ष्य को समय सीमा में पुर्ण करने को कहा। बैठक में जिले के सभी नवांकुर संस्था प्रतिनिधी एवं परामर्शदाता उपस्थित थे।

कार्यालय नगर परिषद नगरी, जिला मंदसौर (म.प्र.)

Phone & Fax No. (07422) 266033, Email-cmonagari@mpurban.gov.in

क्रमांक-आ.वा.के. निर्माण/2024/1106 **नगरी, दिनांक-26.06.2024**

**** भाव पत्र विज्ञप्ति ****

समस्त सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद को निम्नानुसार कार्य करवाया जाना है। अतः इच्छुक ठेकेदार अपनी अपनी दरें (Road/Building SOR Applicable UDD Bhopal in Force from 02.08.2021) पर मौका निरीक्षण कर सीलबंद लिफाफे में दिनांक 12.07.2024 को दोपहर 2 बजे तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है।

क्रं.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा फार्म मूल्य	समय अवधि	रिमार्क
1	आंगनवाड़ी केन्द्रों में नल कनेक्शन हेतु	87,458/-	1750/-	1000/-	1 माह	

शर्ते - 1. भावपत्र स्वीकृति/अस्वीकृति का अधिकार नगर परिषद नगरी को रहेगा। 2. सशर्त भावपत्र स्वीकार्य नहीं होगा। 3. भावपत्र में किसी प्रकार की काटा-पीटी या ओवर राईटिंग मान्य नहीं होगी। 4. जीएसटी राशि पृथक से देय होगी। 5. धरोहर राशि नगद/एफ.डी.आर. न.पं. के हित में स्वीकार्य होगी। 6. टेण्डर के साथ जीएसटी, आयकर एवं वाणिज्य के पंजीयन प्रमाण पत्र एवं बैंक खाता पासबुक की छायाप्रति अथवा निरस्त चेक प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 7. नियमानुसार रायल्टी एवं अन्य करों का कटोत्रा किया जावेगा। 8. अन्य ऐस्टीमेट/शर्तें एवं नियम कार्यालयीन समय में आकर देखी व समझी जा सकती है।

धरमचंद जैन
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद नगरी

संगीता घनश्याम बग्गड़
अध्यक्ष
नगर परिषद नगरी

कार्यालय नगर परिषद गरोठ, जिला - मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-1436/2024 **गरोठ, दिनांक - 26.06.2024**

//// नामान्तरण विज्ञप्ति ////

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 150/151 के अंतर्गत निम्न सूची अनुसार नगरीय सीमा/क्षेत्र की अचल सम्पत्तियों/भवन/दुकान/प्लांटों के क्रेताओं/खरीददारों के नाम पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत हुए है। अतः जिस किसी को भी निम्नांकित नामान्तरण किए जाने हेतु किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस (पंद्रह दिवस) की समयावधि में लिखित में ठोस प्रमाण के साथ इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा बाद अवधि पश्चात कोई भी आपत्ति श्रवण योग्य नहीं होकर मान्य नहीं की जावेगी एवं प्राप्त आवेदन पत्रों पर आगामी कार्यवाही की जावेगी।

//// क्रेताओं/विक्रेताओं की सूची ////

क्रं.	प्रकरण क्रमांक	विक्रेता/हस्तांतरण कर्ता का नाम	क्रेताओं के नाम हस्तान्तरण जिसके पक्ष में होना है	वार्ड क्रमांक व मोहल्ला	आधार
1	2	3	4	5	6
1	103/2023-24	श्री नरेन्द्रकुमार, प्रेमनारायण पिता सुरेन्द्रकुमार जी तिवारी एवं कृष्णाबाई पति राजेन्द्रकुमार उर्फ राजेन्द्रप्रसादजी तिवारी नि. गरोठ	श्रीमती अनिता पति दिनेशजी राठौड़ नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 10 ब्राहम्ण मोहल्ला, गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
2	104/2023-24	श्री मोड़ीरामजी पिता जड़ावचंदजी महाजन निवासी गरोठ	श्री रामचंद्र पिता मोड़ीरामजी महाजन नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 08, अग्रवाल मोहल्ला, गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
3	105/2023-24	श्री मोहम्मद याकूब पिता मोहम्मद हुसैनजी मंसूरी निवासी गरोठ	श्री मोहम्मद जाकिर पिता मोहम्मद याकूबजी मंसूरी निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 02 गांधी चौक गरोठ	रजिस्टर्ड दानपत्र विक्रय लेख के आधार से
4	106/2023-24	श्री मोहम्मद याकूब पिता मोहम्मद हुसैनजी मंसूरी निवासी गरोठ	श्री मोहम्मद एहसान पिता मोहम्मद याकूबजी मंसूरी, निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 02 गांधी चौक गरोठ	रजिस्टर्ड दानपत्र विक्रय लेख के आधार से
5	107/2023-24	श्री सुंदरलाल पिता रामनारायण जी रत्नावत निवासी गरोठ	श्री अनिता पति राकेशकुमारजी अग्रवाल निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 03 गुर्जर मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
6	108/2023-24	श्री भवानीशंकर पिता गमेरजी चौधरी निवासी गरोठ	श्री राधेश्याम, ओमप्रकाश, अशोककुमार, महेश कुमार, रुकमणबाई, राधाबाई, मंजूबाई, सुशीला बाई एवं मधुबाई सभी के पिता भवानीशंकरजी चौधरी निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 08 पोरवाल मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
7	109/2023-24	श्री बद्रीलालजी गब्बाजी मेहर निवासी खेताखेड़ा, तहसील सीतामऊ	श्री गोपाल पिता पर्वतजी गुर्जर नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 09 रामद्वारा हाट मैदान, गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
8	01/2024-25	श्री नेपालसिंह पिता कालूसिंहजी सौं. राजपूत नि. ढोढर, तह. सुवासरा	श्री हरिराम पिता चंपालालजी जांगड़े निवासी कुरलासी, तहसील गरोठ	वार्ड क्रं. 14 जनपद पंचायत के पीछे गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
9	02/2024-25	श्री मूलचंद पिता चुन्नीलालजी ग्वाला निवासी गरोठ	श्रीमती निर्मला पति प्रकाशचंद्रजी चौहान निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 15 दुर्गामाता मंदिर के पास गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
10	03/2024-25	श्री मूलचंद पिता चुन्नीलालजी ग्वाला निवासी गरोठ	श्रीमती संतोष पति प्रेमप्रकाशजी श्रीवास्तव निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 15 दुर्गामाता मंदिर के पास, गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
11	04/2024-25	श्री सुरेशचंद्र पिता नेमीचंदजी घड़िया निवासी गरोठ	श्रीमती प्रतिभा पति नवीनकुमारजी वेद निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 15 मारुती कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
12	05/2024-25	श्री यशपाल, महेश, नरेश, रजिन्दर उर्फ राजेन्द्र कौर, भगवंती, जयवंती एवं मीरा सभी के पिता टोपनदासजी नि. रावतभाटा	श्री पुरुषोत्तम पिता रघुनंदनजी गोयल निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 14 अहिल्या वार्ड, नई आबादी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
13	06/2024-25	श्री रमेशचंद्र पिता मोतीलालजी पालीवाल एवं मनीषकुमार पिता रमेशचंद्रजी पालीवाल निवासी गरोठ	श्री मुकेश पिता मोहनलालजी कछावा निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 01 निलेश्वरी कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
14	07/2024-25	श्री नरेन्द्रकुमार, प्रेमनारायण पिता सुरेन्द्रकुमार जी तिवारी एवं कृष्णाबाई पति राजेन्द्रकुमार उर्फ राजेन्द्रप्रसादजी तिवारी नि. गरोठ	श्रीमती दुर्गाबाई पति सीतारामजी जोशी निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 10 ब्राह्मण मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
15	08/2024-25	श्री राकेश, पंकज पिता रमेशचंदजी नरवाल निवासी गरोठ	श्री राकेश पिता रमेशचंदजी नरवाल निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 14 जनपद पंचायत के पीछे गरोठ	रजिस्टर्ड हक त्याग के आधार से
16	09/2024-25	श्रीमती समरीबाई पति नंदाजी खाती नि.गरोठ	श्रीमती गीताबाई पिता नंदा पति गोरधनलालजी खाती निवासी कुकड़ेश्वर तह. मनासा	पुराना वार्ड क्रं. 06 आर्य समाज के पास पास गरोठ, वर्तमान में वार्ड क्रं. 03 गरोठ	इच्छा पत्र (वसीयतनामा) शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
17	10/2024-25	श्री दिनेश, अनिल पिता कन्हैयालालजी मुनिया निवासी गरोठ	श्रीमती सोनू वर्मा पति कमलबाबू नाई निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 08 पोरवाल मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
18	11/2024-25	श्री दिनेश पिता जगन्नाथजी सोनी नि. गरोठ	श्रीमती लीलाबाई पति अमरसिंह सौ. राजपूत निवासी ढाबला मनोहर, तहसील मानपुरा	वार्ड क्रं. 08 पोरवाल मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
19	12/2024-25	श्री सत्यनारायण, श्यामलाल एवं यशोदाबाई तीनों के पिता गंगारामजी व्यास नि. गरोठ	श्री सत्यनारायण एवं यशोदाबाई दोनों के पिता गंगारामजी व्यास एवं शिवकुमार, विनोदकुमार किरणबाला, सुमनलता, सरोज, ज्योतिबाला व अंतिमबाला सभी के पिता श्यामलालजी व्यास निवासी गरोठ	वार्ड क्रं. 13 नईआबादी पांडे मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से

श्रीमती रेखापुरी गोस्वामी
प्रभारी सदस्य राजस्व, सामान्य प्रशासन एवं लेखा विभाग समिति नगर परिषद गरोठ

राजेश सेठिया
अध्यक्ष
नगर परिषद गरोठ

महेश मालवीय
उपाध्यक्ष
नगर परिषद गरोठ

वीरेन्द्र मेहता
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद गरोठ

देश में कहीं भी दर्ज हो सकेगी जीरो पर एफआईआर

भोपाल, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। देश में 1 जुलाई से लागू होने वाले तीन नए क्रिमिनल कानून अपराध से जुड़ी कई चीजें बदल देंगे। देश में कहीं भी 'जीरो' पर एफआइआर दर्ज हो सकेगी। इसमें धाराएं भी जुडेंगी। 15 दिन में 'जीरो' पर दर्ज एफआइआर को संबंधित थाने को भेजनी होगी। पुलिस को पीड़ित को 90 दिन में प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देनी होगी। चार्जशीट भी 90 दिन में दाखिल करनी पड़ेगी। जांच अधिकतम 180 दिन में पूरी करनी होगी। इसी अवधि में आरोप तय करने होंगे। सुनवाई पूरी होने के 30 दिन में फैसला सुनाना होगा। फैसला व सजा के ऐलान के बीच एक हफ्ते का समय मिलेगा। आइपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य संहिता लागू की जा रही है।

यह हैं चुनौतियां...

मुख्यालय के आदेश पर थानों में नए कानून से जुड़ी नीतियों का ट्रायल शुरू हो गया। सीसीटीएनएस पर जानकारी अपलोड की जा रही है। फॉरेंसिक जांच-वीडियोग्राफी की ट्रेनिंग दी जा रही है। हालांकि यह आसान नहीं है। नए कानून में घटनास्थल की जांच, तलाशी व जब्ती का वीडियो बनाना होगा। कोर्ट को गंभीर अपराधों का वीडियो दिखाना होगा। सुनवाई होने तक संभालकर रखना होगा। बदमाशों से कैमरे के सामने बरामदगी भी मुश्किल होगी।

ओम बिरला फिर बने लोकसभा स्पीकर, पीएम मोदी और राहुल गांधी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 26 जून। बीजेपी सांसद ओम बिरला को एक बार फिर लोकसभा का स्पीकर चुन लिया गया है। ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित होने के बाद प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब ने उन्हें विजयी घोषित किया। विपक्ष ने मत-विभाजन की मांग नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें स्पीकर के आसंदी तक छोडने आए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी हाथ मिलाकर उन्हें बधाई दी। स्पीकर चुने जाने के बाद ओम बिरला ने इतिहास रच दिया। वे ऐसे पहले सांसद हैं, जो लगातार 2 कार्यकाल में स्पीकर चुने गए।

ओम बिरला के स्पीकर चुने जाने के बाद सबसे पहले पीएम मोदी ने सदन को संबोधित किया। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं।आपको मेरी और इस पूरे सदन की तरफ से बहुत शुभकामनाएं।अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बडा दायित्व आपको मिला है।हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। राहुल गांधी के बाद अखिलेश यादव ने सदन को संबोधित किया। सबसे पहले अखिलेश यादव ने ओम बिरला को जीत की बधाई दी। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आप हर दल को बराबरी का सम्मान देंगे। हमें उम्मीद है कि हमारी आवाज दबाई नहीं जाएगी। आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता ही है, मगर सरकार पक्ष पर भी रहे, यह उम्मीद करता हूं। आपकी जिम्मेदारी है कि सदन सचारू रूप से चले। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पीएम मोदी ने 18वीं लोकसभा के स्पीकर पद के लिए ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका लल्लन सिंह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी ने समर्थन किया। वहीं, विपक्ष की ओर से अरविंद सावंत ने के सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा। 23 नवंबर 1962 को राजस्थान के कोटा शहर में श्रीकृष्ण बिरला और शकुंतला देवी के घर जन्मे ओम बिरला पोस्ट ग्रेजुएट हैं। उन्होंने साल 1986 में महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी से चाउी। की डिग्री ली थी। 11 मार्च 1991 को उन्होंने डॉक्टर अमिता बिरला से शादी की। दोनों की आकांक्षा और अंजलि बिरला नाम की दो बेटियां हैं।

एक भी चुनाव नहीं हारे- लोकसभा स्पीकर का चुनाव जीतने वाले ओम बिरला के नाम अब तक के हर चुनाव में जीत का रिकॉर्ड रहा है। साल 2003 अब तक कोई भी चुनाव हारे नहीं हैं। 2003 में उन्होंने कोटा से पहली बार विधानसभा चुनाव लडा और जीत हासिल की। साल 2008 में उन्होंने कोटा दक्षिण सीट से कांग्रेस नेता शांति धारीवाल को शिकस्त दी थी। साल 2013 में उन्होंने तीसरी बार कोटा दक्षिण सीट से चुनाव जीता था। लोकसभा चुनाव उन्होंने पहली बार साल 2014 में लडा और विजयी भी हुए। 2024 में एक बार फिर उन्होंने राजस्थान के कोटा-बूंदी लोकसभा सीट से चुनाव जीता। साल 2019 में इगझ ने जब उनको स्पीकर बनाया, तो हर कोई हैरान रह गया था। लंबा संसदीय अनुभव न होने के बाद भी ओम बिरला ने जिस तरह से सदन को चलाया, वो तारीफ-ए-काबिल रहा। अब एक बार फिर वो लोकसभा स्पीकर के तौर पर निचले सदन की कार्यवाही चलाएंगे।

जन कल्याणकारी योजना से संबंधित लंबित प्रकरणों का सभी बैंकर्स तुरंत निराकरण करें-कलेक्टर

कलेक्टर कार्यालय में जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैंक एटीएम स्थापित करें, जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति डीएलसीसी की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी बैंकर्स को निर्देश देते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जितने भी लंबित प्रकरण बैंकों में लंबित है, उनका तुरंत निराकरण करें। सभी लंबित प्रकरणों को स्वीकृत कर 100% निराकरण करे। उन्होंने सभी बैंकर्स को कहा कि कलेक्टर कार्यालय में आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोई भी बैंक अपनी स्वेच्छा से एटीएम प्रारंभ कर सकते हैं। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, एलडीएम, संबंधित विभाग प्रमुख, सभी बैंकर्स मौजूद थे। सभी बैंक किसानों को तुरंत केवाईसी का लाभ प्रदान करें। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत उद्योग विभाग लक्ष्य अनुसार प्रकरण बैंक को प्रस्तुत करें। सभी बैंक इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें की कम से कम प्रकरण अस्वीकृत किए जाए तथा अधिक से अधिक प्रकरण स्वीकृत करें। जिससे आम जनता शासन की योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त कर सके। एलडीएम इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि किस बैंक के द्वारा कितने प्रकरण अस्वीकृत किए गए, अस्वीकृत करने के कारणों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी सीएमओ ब्लॉक स्तर पर की जाने वाली बीएलसीसी की बैठक में अनिर्वाय रूप से जाए तथा वहां पर बैंकों से समन्वय करके प्रकरणों का निराकरण करवाए। प्रधानमंत्री स्व निधि योजना अंतर्गत 10 हजार के लोन के लिए सिविल स्कोर पर ज्यादा ध्यान न देकर जनता को लाभ देने पर फोकस करे। सीएम हेल्पलाइन का संतुष्टपूर्वक निराकरण करें। अगर किसी शिकायत का समाधान नहीं हो सकता है, तो वाजिब कारण बताएं। जिन बैंकों के पास ज्यादा लंबित शिकायत हैं, उसके लिए एलडीएम कार्यवाही के लिए पत्र भेजें। फसल बीमा का लाभ किसानों को समय पर मिले इसके लिए बैंक बीमा से संबंधित शिकायत का तुरंत निराकरण करें तथा समय-समय पर बीमा से संबंधित फॉलो अप भी लेते रहे। सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त लक्ष्य एवं उसकी वर्तमान प्रगति की समीक्षा की गई।

कैसे कम होगा स्कूल बैग का बोझ, चौथी की किताब ही 500 पन्नों से ज्यादा

इंदौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में प्राथमिक स्तर के बच्चों पर किताबों का बोझ लादा जा रहा है। ये बच्चे पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ ही एफएलएन (मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता) की पुस्तकें भी पढ रहे हैं।

पूरे कोर्स की किताबों का वजन चार से पांच किलो तक हो रहा है, जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लागू की गई स्कूल बैग पॉलिसी 2020 में पहली से पांचवीं तक 1.6 से 2.5 किलो तक का ही स्कूल बैग का वजन होना चाहिए। चौथी कक्षा की हिंदी की एफएलएन पुस्तक का वजन एक किलो 100 ग्राम है। चौथी कक्षा में कुल आठ पुस्तकों का बोझ बच्चों को उठाना होगा। हाल फिलहाल जिले में प्राथमिक स्कूलों में कक्षावार ये किताबें पहुंचने लगी हैं। प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को शुरुआती मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का ज्ञान देने के लिए एफएलएन शुरू किया गया है। पहली से तीसरी तक और इस बार चौथी कक्षा में भी एफएलएन की किताबें पहुंचने लगी हैं। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार एफएलएन की किताबों में अभ्यास कराकर स्कूल ही में रखने की व्यवस्था करना है, लेकिन जिले के अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों द्वारा इन पुस्तकों को बच्चों को ही दे दी जाती है। इसके कारण पहली कक्षा के विद्यार्थी को भी तीन से चार किलो वजनी स्कूल बैग लेकर आना-जाना पडता है।

पहली में स्कूल बैग का अधिकतम वजन 1.6 किलो- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के तहत स्कूल बैग को लेकर नियम बनाए

गए हैं। इसके अनुसार पहली कक्षा में स्कूल बैग का वजन 1.6 किलो तक होना चाहिए। इसी तरह पांचवीं कक्षा तक अधिकतम वजन 2.5 किलो होना चाहिए। सभी स्कूलों में स्कूल बैग का तय वजन संबंधित चार्ट लगना अनिवार्य है। पॉलिसी में पढाई के घंटे तक तय किए गए हैं। आठवीं कक्षा तक वर्कबुक, अभ्यास पुस्तिकाएं व अन्य सामग्री को स्कूल में ही रखने की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके लिए स्कूलों में ही लाकर आदि की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन सरकारी स्कूलों में यह व्यवस्था नहीं है। कुछ ही ऐसे स्कूल हैं, जहां एफएलएन की पुस्तकों को अभ्यास के बाद स्कूल में ही रखवा लिया जाता है।

अभ्यास पुस्तिका 380 पेज की, वजन 820 ग्राम- एफएलएन की किताबों के पेज की बात करें तो तीसरी कक्षा की अंकुर अभ्यास पुस्तिका हिंदी में 380 पेज हैं व वजन 820 ग्राम। कक्षा चौथी की अंकुर अभ्यास पुस्तिका हिंदी में कुल 512 पेज हैं, जिसका वजन एक किलो 100 ग्राम है। इस सत्र में मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम ने अब तक पहली से चौथी कक्षा तक की कुछ विषयों की पुस्तकें प्रकाशित कर स्कूलों तक पहुंचाई हैं।

पहली में छह किताबों का बोझ- जानकारी के अनुसार कक्षा पहली और दूसरी में तीन विषयवार पुस्तक और तीन एफएलएन की पुस्तकें हैं। इसी तरह तीसरी और चौथी कक्षा में चार विषयवार पुस्तक और चार एफएलएन पुस्तकें हैं। ऐसे में बच्चों को चार से पांच किलो तक का स्कूल बैग उठाना पडेगा। इस तरह राज्य शिक्षा केंद्र ने सरकार की स्कूल बैग पालिसी को ही दरकिनार कर दिया है। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश हैं कि एफएलएन की पुस्तकों से बच्चों को अभ्यास कराकर वापस स्कूल में ही रखना है। स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा। अगर संस्था प्रभारी एफएलएन की पुस्तकें स्कूल में नहीं रख रहे हैं, तो कारवाई की जाएगी। - शीला मेरावी, जिला परियोजना समन्वयक, इंदौर

जुगाड़ पर प्रतिबंध लगाने की मांग, अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। अवैध व बिना कागजात के चल रही किसान गाडियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर रजिस्टर्ड लोडिंग वाहन चालकों ने कलेक्टर, जिला परिहन अधिकारी व पिपलियामंडी थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि किसान गाडी (जुगाड) अवैध है, बीमा, परमिट, फिटनेस, रजिस्टेक्शन कोई दस्तावेज नही है, जो नगर में सडकों पर सरपट दौड रही है और सामान भरकर लाने ले जाने का कार्य हो रहा है। इससे दुर्घटना होती है तो किसकी जवाबदारी ? इनके चलते से हमारा रोजगार भी समाप्त हो रहा है, जबकि हम सरकार को टेक्स दे रहे है। समस्त किसान गाडियों पर शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाए। इस अवसर पर संजय डाबी, हरीश प्रहलाद, तेजकुमार, मुकेश, कचरुलाल, संजय, कैलाश, नरसिंह, वकतराम राठौर, जाकिर मन्सूरी, अजय, भगतसिंह, दीपक सैनी, मांगीलाल आदि उपस्थित रहे।

महिला को पीटा, दम्पत्ति... पेज 1 से जारी

बावरी व उसकी पत्नी कृष्णाबाई बच्चों को गालियां दे रहे थे, मना किया तो लात-घुसों व लकडी से पीटा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने मारपीट करने वाले दम्पत्ति पर केस दर्ज किया।

मेडिकल यूनिवर्सिटी की जांच टीम ने भी की लापरवाही...

आंख बंद कर की थी मान्यता की सिफारिश

भोपाल, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने में गड़बड़ी सिर्फ एक जगह से नहीं हुई है। मेडिकल यूनिवर्सिटी से लेकर संबंधित जिलों के उचक्ष तक ने भी नियमों की अनदेखी कर धड़ल्ले से मान्यता की सिफारिश की थी।

छोटे-छोटे फ्लैट में चल रहे थे कॉलेज- यही वजह है कि कुछ नर्सिंग कॉलेज छोटे-छोटे फ्लैट तो कुछ कागजों में संचालित होते रहे। मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधिकारी गंभीर रहते तो फर्जीवाडा संभव नहीं था। नर्सिंग काउंसिल द्वारा गठित जांच दलों के अतिरिक्त यूनिवर्सिटी की टीम भी जांच करती थी, लेकिन उन्होंने न तो यह देखा कि संस्था का भवन है या नहीं। न ही फैकल्टी और अन्य मापदंडों की जांच की।

जांच टीम ने की खानापूर्ति- विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय में नामांकन मेडिकल यूनिवर्सिटी कर रही थी। नर्सिंग काउंसिल की तरह ही सभी कॉलेजों की जांच की जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी की थी, लेकिन यहां की टीम ने सिर्फ खानापूर्ति की। टीम ने कॉलेज का भवन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, फैकल्टी की संख्या, पंजीयन आदि मापदंडों की गहराई से छानबीन की होती तो इतना बडा फर्जीवाडा नहीं होता। इस मामले अब सीबीआई ने मेडिकल यूनिवर्सिटी के जांच दलों को नोटिस देकर भी जवाब मांगा है, लेकिन शासन की ओर से यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के विरुद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसी तरह से संबंधित जिलों के उचक्ष ने नर्सिंग कॉलेजों को क्लीनिकल परीक्षण के लिए अस्पतालों से संबद्धता देने में भी मापदंडों की अनदेखी की। नर्सिंग कॉलेज संचालकों ने हर जगह राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव देकर अपनी मर्जी से रिपोर्ट तैयार कराई, पर किसी बडे अधिकारी पर आंच नहीं आई है।

डोडा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो आतंकी ढेर

डोडा, 26 जून। जम्मू संभाग के जिला डोडा में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड शुरू हो गई है। जिले के गंडोह के लुडू इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हो रही है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। यहां कुछ और आतंकी घिरे हुए हैं। गोलीबारी के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। जवान को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह इलाका घने जंगल और पहाड से घिरा हुआ है। ऑपरेशन चल रहा है।

डोडा में पिछले कुछ दिनों से लगातार आतंकियों की तलाश में तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी बीच कई बार अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध देखे जाने की भी सूचना मिल रही थी, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लग पा रही थी। आज मुठभेड स्थल क्षेत्र में फिर संदिग्ध देखे जाने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने

गोलीबारी की, जिसके जवाब में मुठभेड शुरू हो गई। सूत्रों की मानें तो दहशतगर्दों को मार गिराया गया है। अभी ऑपरेशन चल रहा है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने डोडा मुठभेड को लेकर जानकारी साझी की है। सेना ने इसे ऑपरेशन लागोर नाम दिया है। उन्होंने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान भद्रवाह सेक्टर के गंडोह में शुरू किया गया है। आतंकियों की मौजूदगी का पता चल गया है। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है।

प्रदेश में मीसाबंदियों को मिलेगी एयर एंबुलेंस की सुविधा, टोल नाकों पर भी मिलेगी छूट, सीएम मोहन यादव ने की घोषणा

मंदसौर, 26 जून गुरु एक्सप्रेस। देश में आपातकाल का काले अध्याय 49 साल पूरे होने के मौके पर बुधवार, 26 जून को भोपाल में श्यामला हिल्स पर स्थित मुख्यमंत्री आवास में लोकतंत्र के सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में प्रदेशभर से मीसाबंदी और उनके स्वजन पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस सम्मेलन के दौरान मीसाबंदियों के लिए कई बडी घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और लोकतंत्र सेनानियों को बीमार होने पर अगर आकस्मिक चिकित्सा के लिए एयर एंबुलेंस की जरूरत होगी तो सरकार उनके लिए एयर एंबुलेंस का इंतजाम कराएगी। इसके अलावा प्रदेश में चलने वाली एयर टैक्सी में लोकतंत्र सेनानियों को किराए में 25 % छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तरह ही सभी मीसाबंदियों को भी ताम्रपत्र प्रदान किया जाएगा। मीसाबंदियों को सर्किट हाउस, विश्रामगृह आदि में ठहरने के लिए 50 फीसदी तक छूट दी जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। इनकी अंत्येष्टि के लिए 8000 की राशि दी जाती है। इस राशि को बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के मंच से यह भी घोषणा की की कि आपातकाल के संघर्ष को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश भर के 750 मीसाबंदी और उनके परिजन आज सीएम हाउस में मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फूल बरसाकर सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में मीसाबंदियों ने आपातकाल और जेल जाने के संस्मरण भी सबको सुनाए।

**** नाम परिवर्तन ****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जहरा पिता मुफज्जल तेल वाला ने अपना नाम परिवर्तन कर जहरा तेल वाला कर लिया है।अत: आइन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम जहरा तेल वाला के नाम से जाना एवं पहचाना जाए ।

पता-हाफिज कॉलोनी मंदसौर

**** नाम परिवर्तन ****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुर्तजा पिता मुफज्जल तेल वाला ने अपना नाम परिवर्तन कर मुर्तजा तेल वाला कर लिया है। अत: आइन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम मुर्तजा तेल वाला के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता-हाफिज कॉलोनी मंदसौर

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी आवास निगम
विंध्याचल भवन, भोपाल (म.प्र.)-462004

***** आम-सूचना *****

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी आवास निगम की ग्राम भुन्याखेडी, जिला-मंदसौर, आवासीय योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 38 आकार 90 वर्गमीटर निगम द्वारा श्री सुभाषचन्द्र तुगनावत पिता श्री मोहनलाल जी तुगनावत के नाम पर आवंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 22.01.2013 को पंजीकृत है। जिसका पंजीयन क्र. 4373 है। श्री सुभाषचन्द्र तुगनावत पिता श्री मोहनलाल जी तुगनावत द्वारा उक्त संपत्ति श्री संजय लालवानी पिता श्री नन्दकिशोर जी लालवानी को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 07.11.2023 को पंजीयन कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया जा चुका है। जिसका पंजीयन क्र. एम.पी. 249392023ए 12543793 है।

क्रेता एवं विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, परिचय पत्र, आधार कार्ड एवं विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति, श्री संजय लालवानी पिता श्री नन्दकिशोर जी लालवानी के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं निगम नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

प्रबंध संचालक
म.प्र. राज्य कर्मचारी आवास निगम

कार्यालय कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी जिला मंदसौर

क्रमांक 366/कालोनी/2024 दिनांक-25.06.2024

** सार्वजनिक सूचना **

(म.प्र. नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (6) 23 (7) 24 (2) के अंतर्गत)

नगरपालिका परिषद मंदसौर की सीमा के द्वारा नगरीय क्षेत्र में प्रथम चरण अंतर्गत चिन्हित 08 अनाधिकृत कालोनियों के अभिन्यास को अंतिम रूप दिया जाकर नागरिक अवसंरचना एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने हेतु नियम के अधीन इन अनाधिकृत कालोनियों में विकास योजना को अंतिम रूप दिया जाकर विकास शुल्क का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है-

क्रं.	वार्ड क्रं.	अनधिकृत कालोनी का नाम/स्थान	भू-स्वामी का नाम व पूरा पता	ग्राम/कस्बा एवं पटवारी हल्का क्रं.	खसरा क्रं.	विकास कार्यों की अनुमानित लागत (लाख में)	निर्धारित विकास शुल्क प्रति वर्गमी. वर्गमीटर के क्षेत्रफल	निर्धारित विकास शुल्क प्रति वर्गमी. वर्गमीटर के क्षेत्रफल
1	14	घोड़ेला कालोनी	सत्यनारायण ईश्वरलाल मिश्रीलाल पिता कन्हैयालाल घोड़ेला	किटियानी प.ह.नं.11	1550/1 से 1550/8	30.97	392.52	36.47
2	3	प्रेम कालोनी	बानोबाई पति फकरुद्दीन आलमबाई विजयकुमार पिता मालीराम निर्मल पिता जगदीशचंद्र मुनियाबाई पति व्यंकटेश	किटियानी प.ह.नं.11	668, 669/1 से 669/5 670/1	201.39	1293.86	120.24
3	3	जाजपुरिया कालोनी	जगदीश पिता शंकरलाल जाजपुरिया	किटियानी प.ह.नं.11	1434/1434/3 1431/2	163.04	1635.37	152
4	3	विजय हाउसिंग सोसायटी	सईद एहमद व अब्दुल हुसैन पिता फजले हुसैन बोहरा	किटियानी प.ह.नं.11	25/2, 25/3	330.09	403.04	37.4
5	3	गीताभवन रोड	कन्हैयालाल रामेश्वर पिता जगन्नाथ वीरेन्द्र पिता सीताराम चौहान	किटियानी प.ह.नं.11	421/3, 437, 421 421/3437	100.92	1496.30	139.06
6	11	चौधरी कालोनी, स्टेशन रोड (बाफना जिनिंग रोड के पास)	ओकार, अब्दुल, बिन्नुबाई शेजाद हुसैन	किटियानी प.ह.नं.11	701, 700, 699, 698, 697	111.00	860.74	79.99
7	37	रतन विहार कालोनी	रतनलाल पिता बालूजी घोसी	कस्बा मंदसौर प.ह.नं.25	31	201.30	831.82	77.30
8	21	शंकर विहार के पास (शंखेश्वर कालोनी)	भोला उर्फ सलीम शहजाद पिता मदारी खां	किटियानी प.ह.नं.11	155/5	52.34	870.66	80.09

उपरोक्त विकास शुल्क उक्त सार्वजनिक सूचना के दिनांक से 3 माह की अवधि में जमा कराया जाना अनिवार्य है। विकास शुल्क जमा होने के उपरान्त ही भवन अनुज्ञा प्रदान करने की कार्रवाई की जावेगी।

कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी
जिला मंदसौर (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in